

समूह 1 के लिए क्षमता संवर्धन योजना -

① दशहरे पर 10 वाक्य लिखना।

रचनात्मक एवं
सृजनशीलता की
अंगार जगल करना

पाठिक
से तक

② आपके आस-पास लगने वाले मेलों के बारे में लिखना।

समूह 2 के लिए शिक्षण उद्देश्य -

① बालकों की तृपौर, मेलों आदि के प्रति कार्य-पैदा होगी
② त्योहार व मेलों के बारे में छोट-छोट वाक्य लिख लेना।

समूह 2 के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना (सामूहिक, उपसमूह, व्यक्तिगत) -

① साप्ताहिक कार्य -

शिक्षक पाठ का वाचन करेगा व बालक/बालिका में मुली, ररबकर लाभ-लाभ वाचन करेगा। कोठे में मजदूरी का उच्चारण कर-जाए की वाचन। तथा कुछ पंक्तियों की सुवलेप लिखवायेगा।

सुनकर उच्चारण करना

② उपसमूह कार्य -

बालकों से उपसमूह में आ/इ/ई/इ/ऊ श/शे/जे/झो/झी की मात्रा वहाँ 10-10 वकल छोटका लिखवायेगा।

बहनी की सुहटाका फल्लन करावा मात्रा वाले पणों की पहचान की कार्यक

③ मेलों पर पाँच वाक्य लिखना।

जोचनाका

पाठिक योजना में अधिगम उपलब्धि -

संस्था प्रधान का अभिमत :-

विषय हिन्दी

कक्षा 12th

टर्म

पाठ/अवधारणा/थीम/घटक

दिनांक 12/09/16 से 20/09/16 तक

योजना क्रमांक (5) वशाहस

शिक्षण आकलन योजना

समूह 1 के बच्चों के रोल नम्बर :

समूह 2 के बच्चों के रोल नम्बर :

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण अधिगम उद्देश्य :-

① निबन्ध विधा की अवधारणा को समझना। ② लघु कथा, उत्सव, मेलों के महत्व को समझना। ③ उपसर्ग, प्रत्यय एवं लिंग की समझ को गहरा करना।

सम्पूर्ण कक्षा के लिए प्रस्तावित गतिविधियां (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत)	सतत आकलन योजना	समीक्षा एवं अनुभव (बच्चों की सहभागिता/कठिनाईयों योजना में बदलाव के कारण)
① सामूहिक कार्य - बालक हमारे देश के प्रमुख त्योहारों के बारे में जानते हैं इसी संदर्भ में बालकों से चर्चा कर वशाहस लघु कथा के बारे में त्रिकुट - राज दोनों की सहायता से पाठ का विकास किया जावेगा। वशाहस कथा को कब मनाया जाता है इस प्रकार के प्रश्न पूछकर उनके जवाब रथाम पद पर लिखना। अ जोड़कर नये शब्द बनाना जैसे सत्य-ससत्य, धर्म-सधर्म वगैरे। पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग शब्द समझाना जैसे- राजा-रानी वगैरे।	त्योहारों के बारे में जानकारी का आकलन करना व उनकी महत्व समझना हमारी संस्कृति से परिचित होना	साप्ताहिक से तक
② उपसर्ग कार्य - उपसर्ग में पाठ को पढ़ने का निर्देश देना। हमारे देश में मनाए जाने वाले त्योहारों की प्रतीक वस्तुओं के सर्वा लिखना जैसे- उल्लास-रुमी, रमण फणि शब्दों का उच्चारण करवाना जैसे- कुंकुप, दंध्य	समझना लिखना	
③ व्यक्तिगत कार्य - प्रत्येक बालक से पाठ पढवाना। रावण का चित्र बनाना व प्रशंसा कार्य करवाना।	जोच करना व नोट करना	